A–0444

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MASL–501

M.A. Sanskrit (MASL)

वेद एवं निरुक्त (भाग एक)

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निम्न में से किसी एक मन्त्र की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए।

(क) यस्यां पूर्वे पूर्वजना विचक्रिरे यस्यां देवा असुरानभ्यवर्तयन्।
गवामश्वानां वयसश्च विष्ठा भगं वर्चः पृथिवी नो दधातु॥

(ख) नासदासीन्नो सदासीत्तदानीं नासीद्रजो नो व्योमा पर्योयत्

किमावरीवः कुह कस्य शर्मन्नम्भः किमासीगहनं गभीरम्॥

2. निम्न में से किसी एक मन्त्र की सप्रसंग व्याख्या संस्कृतभाषा में कीजिए :

(क) भिनद्वमङ्गिरोभिर्गुणानो विपर्वतस्य दृहितान्यैरत्।

रिणग्रोधांसि कृत्रिमाण्येषां सोमस्य ता मद इन्द्रश्चकार

(ख) सहृदयं सामनस्यमविद्वेषं कृणोमि वः।

अन्योअन्यमभि हर्यत वत्संजातमिवाघ्न्याः॥

3. नासदीय सूक्त का सारांश मन्त्रोदाहरण सहित लिखिए।

4. भाव विकारों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

5. निरुक्त के प्रथम अध्याय पर निवन्ध लिखिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निम्न में से किन्ही एक की सन्दर्भ सहति व्याख्या कीजिए :

(क) अभिऽवृत्य सपत्नानभि या नो अरातयः।

अभि पृतन्यन्त तिष्ठाभि यो नो दुरस्यति॥

(ख) प्रजापते न त्वत् एतानि अन्यः विश्वा जातानि परि ता बभूव॥

यत् कामाः ते जुहुमः तत् नः अस्तु वयम् स्याम पतयः रयीणाम्॥

2. हिरण्यगर्भ सूक्त के देवता, मन्त्र, ऋषि, छन्द का उल्लेख करते हुए हिरण्यगर्भ के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

3. उद्धरणों के देते हुए इन्द्र के कार्यों का वर्णन कीजिए।

4. नासदीय सूक्त का वर्णन सप्रमाण कीजिए।

5. निम्न में से किन्हीं **दो** शब्दों का निरुक्त के आधार पर निर्वचन कीजिए :

   (1) आचार्यः

   (2) मघोनी

   (3) वीरः

   (4) कर्ण

6. निम्न में से किसी एक की व्याख्या कीजिए :

   (क) 'एकः शब्दः सम्यग् ज्ञातः शास्त्रान्वितः सु प्रयुक्तः स्वर्गे लोके च कामधुग् भवति'

   (ख) षड् भावविकारा भवन्तीति।

7. निरुक्त के अनुसार शब्दों के विभाजन पर एक टिप्पणी लिखिए।

8. 'निघण्टु' किसे कहते हैं? स्पष्ट कीजिए।

****